



महाविद्यालयीय वातावरण के आधार पर शिक्षण प्रशिक्षुओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

अनीता¹ एवं डॉ पवन कुमार शर्मा²

¹शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र विभाग मोनाड विश्वविद्यालय हापुड़, उत्तर प्रदेश

²शोध निर्देशक, शिक्षाशास्त्र विभाग मोनाड विश्वविद्यालय हापुड़, उत्तर प्रदेश

Email: kkyccspg@gmail.com

सारांश

यह शोध पत्र इस बात का व्यापक तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है कि विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरण शिक्षण प्रशिक्षुओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन क्षमता को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। इस अध्ययन में तीन विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरणों — नगरीय (Urban), ग्रामीण (Rural) और अर्ध-नगरीय (Semi-Urban) — से कुल 300 शिक्षण प्रशिक्षुओं का विश्लेषण किया गया। शोध में मानकीकृत मूल्यांकन उपकरणों और सांख्यिकीय विश्लेषण का उपयोग करके यह अध्ययन किया गया कि विभिन्न पर्यावरणीय कारक शैक्षिक प्रदर्शन एवं छात्र समायोजन — जिसमें सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षणिक अनुकूलन सम्मिलित हैं — को कैसे प्रभावित करते हैं। शोध से प्रमाणित हुआ कि विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरण भिन्न-भिन्न परिणाम उत्पन्न करते हैं, जिसमें अर्ध-नगरीय महाविद्यालयों ने बेहतर शैक्षिक प्रदर्शन और छात्र समायोजन अंक प्राप्त किए। अध्ययन में उद्देश्यमूलक प्रतिदर्श के साथ मात्रात्मक शोध प्रारूप का उपयोग किया गया तथा सम्बन्धों की जाँच हेतु ANOVA एवं सहसंबंध विश्लेषण का प्रयोग किया गया। परिणाम दर्शाते हैं कि महाविद्यालयीय वातावरण — जिसमें अवसंरचना, संसाधन और सामुदायिक एकीकरण शामिल हैं — शिक्षण प्रशिक्षुओं की सफलता निर्धारित करने वाले प्रमुख कारक हैं।

मुख्य शब्द: शिक्षण प्रशिक्षु, अर्ध-नगरीय महाविद्यालय, सामाजिक एवं भावनात्मक समायोजन, शैक्षिक उपलब्धि, महाविद्यालयीय वातावरण, ANOVA, B.Ed., तुलनात्मक अध्ययन

1. प्रस्तावना

शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता वह निर्णायक तत्त्व बन गई है जो विश्वभर में शैक्षिक प्रणालियों के संचालन को नियंत्रित करती है। भावी शिक्षकों के रूप में शिक्षण प्रशिक्षुओं के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें शैक्षणिक ज्ञान, व्यावसायिक कौशल विकास और व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करता है। इन प्रशिक्षुओं की शैक्षिक उपलब्धि और मनोवैज्ञानिक समायोजन महाविद्यालयीय वातावरण पर निर्भर करती है, जो उनकी भविष्य की शिक्षक के रूप में सफलता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

शैक्षिक उपलब्धि की अवधारणा में कई तत्त्व सम्मिलित हैं — जैसे अंक और परीक्षा परिणाम, ज्ञान-अर्जन, आलोचनात्मक चिंतन का विकास और शिक्षण-पद्धति की महारत। शिक्षण प्रशिक्षुओं के लिए शैक्षिक उपलब्धि विशेष महत्त्व रखती है क्योंकि यह उनकी

भविष्य की पढ़ाने की क्षमता और व्यावसायिक विकास को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। समायोजन (Adjustment) शब्द से अभिप्राय है कि छात्र अपने शैक्षिक वातावरण के साथ किस सफलता से सामंजस्य स्थापित करते हैं — जिसमें शैक्षणिक प्रदर्शन, सामाजिक संबंध-निर्माण, भावनात्मक नियंत्रण और सामान्य स्वास्थ्य रखरखाव के तीन मुख्य क्षेत्र शामिल हैं।

महाविद्यालयीय वातावरण में अनेक घटक सम्मिलित हैं — भौतिक अवसंरचना, उपलब्ध संसाधन, शिक्षक-गुणवत्ता, सहपाठी संस्कृति, भौगोलिक स्थिति और सामुदायिक एकीकरण। ये कारक तीन अलग-अलग स्थान-प्रकारों के अनुसार भिन्न होते हैं: नगरीय क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र और अर्ध-नगरीय क्षेत्र।

नगरीय महाविद्यालय छात्रों को व्यापक संसाधनों, विविध सांस्कृतिक अनुभवों और आधुनिक सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करते हैं, परन्तु साथ ही बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा, उच्च जीवन-व्यय और सामाजिक एकाकीपन जैसी कठिनाइयाँ भी उत्पन्न करते हैं। ग्रामीण महाविद्यालय छोटे छात्र-समूहों के माध्यम से सामुदायिक सम्बन्धों को सुदृढ़ करते हैं जो प्राध्यापकों को व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने में सहायक होते हैं, किन्तु इन्हें शैक्षिक सुविधाओं के निर्माण की सीमित क्षमता और अपर्याप्त शैक्षिक सामग्री जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अर्ध-नगरीय वातावरण का संयुक्त लाभ एक ऐसा स्थान बनाता है जो दोनों के लाभों को बनाए रखते हुए उनकी कमियों को कम करता है।

1.1 शोध उद्देश्य

- तीन विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरणों — नगरीय, ग्रामीण और अर्ध-नगरीय — में अध्ययनरत शिक्षण प्रशिक्षुओं के शैक्षणिक प्रदर्शन को मापना और तुलना करना।
- विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरणों में शिक्षण प्रशिक्षुओं के तीन प्रकार के समायोजन — सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षणिक — का मूल्यांकन करना।
- पर्यावरणीय परिस्थितियाँ शैक्षिक प्रदर्शन और छात्र समायोजन को किस प्रकार प्रभावित करती हैं, इसका अध्ययन करना।
- यह जानना कि कौन से पर्यावरणीय कारक शिक्षण प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक सफलता दिलाने और उनके मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक हैं।
- साक्ष्य-आधारित अनुशंसाएँ प्रदान करना जो शैक्षिक संस्थाओं को विभिन्न भौगोलिक स्थानों में अपने शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार करने में सहायता करें।

2. संबंधित साहित्य की समीक्षा

शोधकर्ताओं ने विभिन्न शैक्षिक परिस्थितियों में शैक्षिक वातावरण का छात्र-सफलता पर प्रभाव समझने के लिए अनेक अध्ययन किए हैं। पर्यावरणीय मनोविज्ञान के अंतर्गत ब्रोनफेनब्रेनर का पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। यह सिद्धांत स्पष्ट करता है कि पर्यावरण की विभिन्न परतें — जैसे परिवार, विद्यालय, समुदाय और व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था — व्यक्ति के समग्र विकास और शैक्षिक प्रगति को प्रभावित करती हैं। इस दृष्टिकोण के अनुसार, छात्र की उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत क्षमता का परिणाम नहीं होती, बल्कि उसके आसपास उपलब्ध शैक्षिक एवं सामाजिक वातावरण की गुणवत्ता पर भी निर्भर करती है।

फ्रेज़र (2012) द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि कक्षा-वातावरण और संस्थागत वातावरण दोनों ही छात्रों के शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति और उनकी सीखने की संतुष्टि को प्रभावित करते हैं। यदि कक्षा में सहयोगात्मक वातावरण, सकारात्मक शिक्षक-छात्र संबंध, सक्रिय सहभागिता और स्पष्ट शिक्षण-प्रक्रिया हो, तो छात्र बेहतर प्रदर्शन करते हैं। साथ ही, संस्थान का समग्र वातावरण — जैसे प्रशासनिक सहयोग, संसाधनों की उपलब्धता और छात्र-समर्थन सेवाएँ — छात्रों की प्रेरणा और संतुष्टि को बढ़ाने में सहायक होता है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पास्करेला एवं टेरेनज़िनी (2005) के व्यापक अध्ययनों ने यह दर्शाया कि महाविद्यालयीय वातावरण छात्रों के संज्ञानात्मक कौशल के विकास, शैक्षिक अभिवृत्तियों के निर्माण तथा व्यक्तिगत मूल्यों के विकास पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक अवसर, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ, शिक्षकों के साथ संवाद और सहपाठियों के साथ अंतःक्रिया छात्रों के बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास को सुदृढ़ करती हैं।

शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संदर्भ में भी पर्यावरणीय कारकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण पाई गई है। शोधों से स्पष्ट होता है कि पूर्व-सेवा शिक्षकों की व्यावसायिक पहचान, शिक्षण-कौशल और शिक्षण-प्रभावशीलता के विकास के लिए अनुकूल संस्थागत वातावरण आवश्यक है। रिचर्डसन एवं वॉट (2016) के अध्ययन ने प्रमाणित किया कि संस्थागत समर्थन प्रणाली, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा व्यावहारिक शिक्षण-अनुभव के पर्याप्त अवसर, शिक्षण प्रशिक्षुओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उच्च शिक्षा में छात्र-अनुकूलन को समझने के लिए विभिन्न सैद्धांतिक ढाँचे विकसित किए गए हैं। बेकर एवं सिरिक (1984) द्वारा विकसित "स्टूडेंट एडैप्टेशन टू कॉलेज प्रश्नावली" में छात्र-अनुकूलन के चार प्रमुख आयामों की पहचान की गई है — शैक्षणिक समायोजन, सामाजिक समायोजन, व्यक्तिगत-भावनात्मक समायोजन और संस्थागत संलग्नता। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इन आयामों में सफल समायोजन का छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन, निरंतरता (दृढ़ता) और संस्थागत संतुष्टि के साथ सकारात्मक संबंध पाया जाता है।

इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि सकारात्मक और सहयोगात्मक शैक्षिक वातावरण छात्रों तथा शिक्षण प्रशिक्षुओं दोनों के समग्र विकास, उपलब्धि और संतुष्टि के लिए अत्यंत आवश्यक है।

शोध अन्तराल

अधिकांश पूर्ववर्ती शोध सामान्य छात्र जनसंख्या पर केन्द्रित रहे हैं, न कि शिक्षण प्रशिक्षुओं पर — क्योंकि व्यावसायिक तैयारी के लिए उनकी पर्यावरणीय आवश्यकताएँ अन्य छात्र-समूहों से भिन्न होती हैं। प्रस्तुत शोध इसी अन्तराल को भरने का प्रयास करता है।

3. शोध विधि

3.1 शोध प्रारूप

इस अध्ययन में मात्रात्मक शोध प्रारूप का उपयोग किया गया जिसमें विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरणों में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन स्तरों की जाँच के लिए तुलनात्मक सर्वेक्षण पद्धति को लागू किया गया। अध्ययन में अनुप्रस्थ-काट (Cross-sectional) प्रारूप का प्रयोग किया गया जिसने शोधकर्ताओं को एक ही समय में विभिन्न समूहों से आँकड़े एकत्र करने में सक्षम बनाया।

3.2 न्यादर्श एवं प्रतिदर्श विधि

अध्ययन के प्रतिदर्श में 300 शिक्षण प्रशिक्षु सम्मिलित थे जो Bachelor of Education (B.Ed.) कार्यक्रमों में नामांकित थे — प्रत्येक पर्यावरण श्रेणी से 100 प्रशिक्षु। उद्देश्यमूलक प्रतिदर्श (Purposive Sampling) का उपयोग तीन अलग-अलग महाविद्यालयीय वातावरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों के चयन के लिए किया गया। नगरीय महाविद्यालयों को 5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों में स्थित संस्थानों के रूप में परिभाषित किया गया, जबकि ग्रामीण महाविद्यालय वे थे जो 50,000 से कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में संचालित थे।

3.3 शोध उपकरण

शोध में दो मानकीकृत मूल्यांकन उपकरणों का प्रयोग किया गया: (1) शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन संचयी ग्रेड पॉइंट औसत (CGPA) तथा व्यापक उपलब्धि परीक्षण के माध्यम से किया गया। (2) समायोजन स्तरों के मूल्यांकन हेतु अनुकूलित Student Adjustment Scale का उपयोग किया गया — सामाजिक (20 आइटम), भावनात्मक (20 आइटम) और शैक्षणिक (20 आइटम) समायोजन। यह मापनी पाँच-बिन्दु लिंकर्ट प्रारूप पर आधारित थी। Cronbach's alpha = 0.82–0.89 (उच्च विश्वसनीयता)।

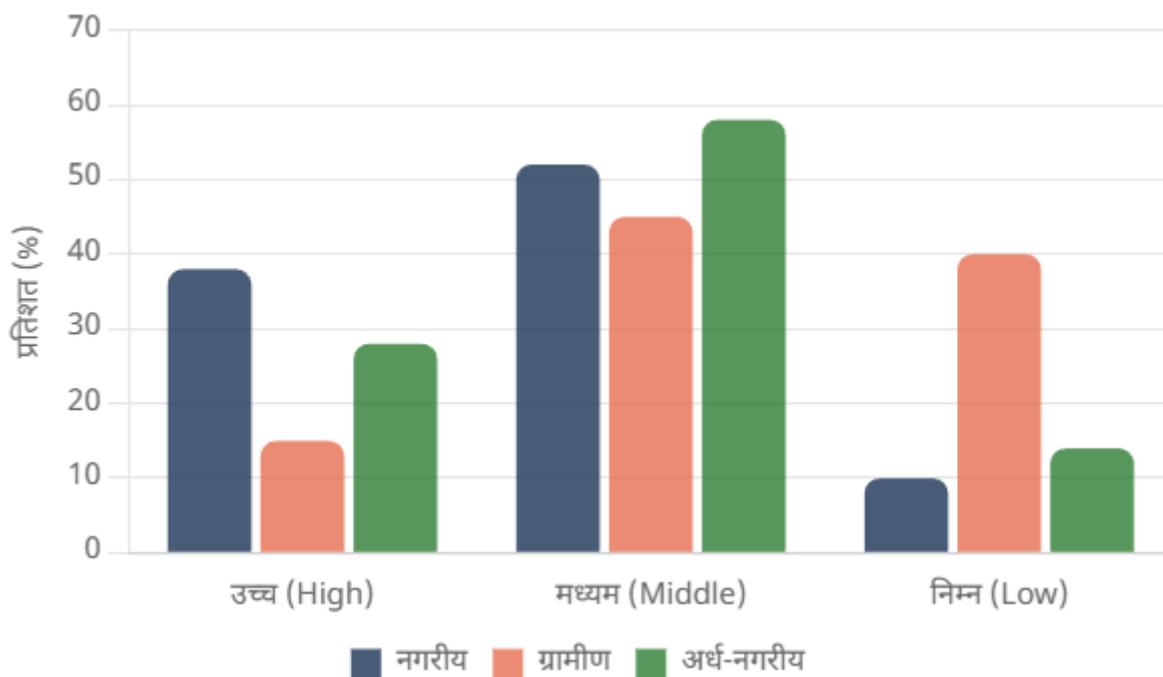
3.4 सांख्यिकीय विश्लेषण

आँकड़ों का विश्लेषण SPSS संस्करण 26.0 से किया गया। एकमार्गीय ANOVA (One-Way ANOVA) से तीन समूहों के मध्य अन्तर की जाँच की गई। Tukey's HSD post-hoc परीक्षण से विशिष्ट समूह-अन्तर पहचाने गए। Pearson सहसंबंध गुणांक से शैक्षिक उपलब्धि और समायोजन के बीच सम्बन्धों का अध्ययन किया गया। समस्त सांख्यिकीय परीक्षणों के लिए सार्थकता स्तर $p < 0.05$ निर्धारित किया गया।

तालिका 1: प्रतिभागियों का जनसांख्यिकीय वितरण

विशेषता	नगरीय (n=100)	ग्रामीण (n=100)	अर्ध- नगरीय (n=100)	कुल (N=300)
लिंग (पुरुष/महिला)	42 / 58	55 / 45	48 / 52	145 / 155
औसत आयु (वर्ष ± SD)	22.3 ± 1.2	21.8 ± 1.4	22.0 ± 1.3	22.0 ± 1.3
सामाजिक-आर्थिक स्थिति				
— उच्च	38%	15%	28%	27%
— मध्यम	52%	45%	58%	51.7%
— निम्न	10%	40%	14%	21.3%
प्रतिक्रिया दर	96%	95%	97%	96%

चित्र 1: न्यादर्श — सामाजिक-आर्थिक वितरण



4. परिणाम एवं विश्लेषण

तीन विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरणों के 300 शिक्षण प्रशिक्षुओं से एकत्रित आँकड़ों के विश्लेषण से शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन स्तरों के महत्वपूर्ण पैटर्न सामने आए। निम्नलिखित अनुभागों में शोध उद्देश्यों के अनुसार विस्तृत निष्कर्ष प्रस्तुत हैं।

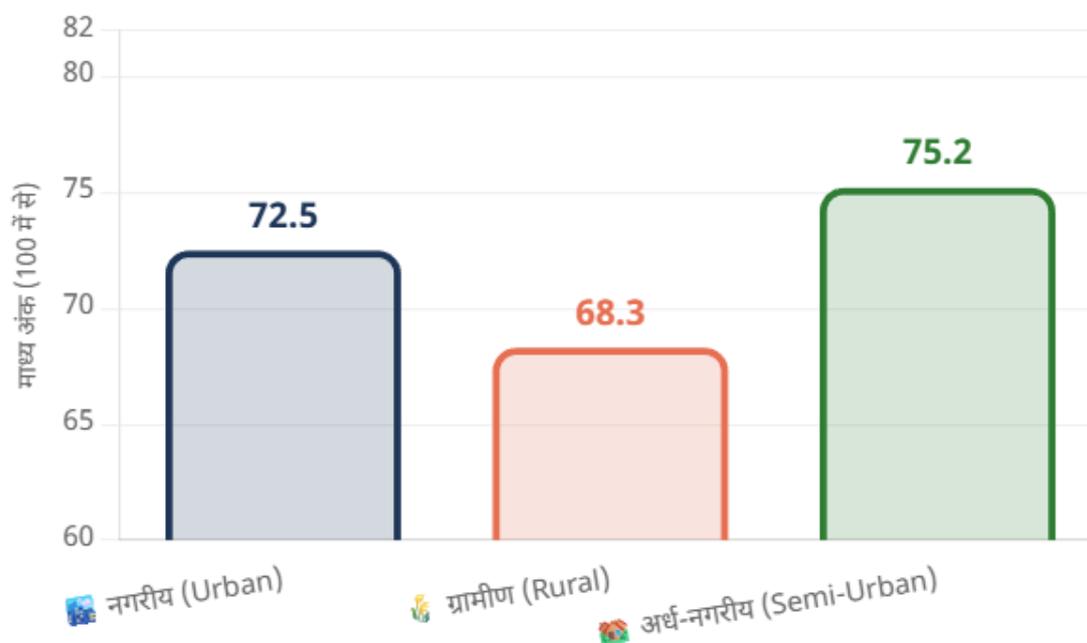
4.1 शैक्षिक उपलब्धि विश्लेषण

शैक्षिक उपलब्धि अंकों के विश्लेषण से विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरणों में महत्वपूर्ण भिन्नताएँ सामने आईं। अर्ध-नगरीय महाविद्यालयों ने 75.2 (SD=8.4) के सर्वोच्च औसत अंक प्राप्त किए, इसके बाद नगरीय (72.5, SD=9.2) और ग्रामीण (68.3, SD=10.1) का स्थान रहा। एकमार्गीय ANOVA परीक्षण ने सांख्यिकीय रूप से सार्थक अन्तर दिखाया — **[F(2, 297) = 15.84, p < 0.001]**। Tukey's HSD post-hoc परीक्षणों ने दिखाया कि अर्ध-नगरीय प्रशिक्षुओं ने नगरीय (p<0.05) और ग्रामीण (p<0.001) दोनों से बेहतर अंक प्राप्त किए।

तालिका 2: महाविद्यालयीय वातावरण के अनुसार शैक्षिक उपलब्धि का वर्णनात्मक सांख्यिकी

वातावरण	N	माध्य	मानक विचलन	न्यूनतम	अधिकतम	वर्ग श्रेणी
🏠 नगरीय	100	72.5	9.2	52.0	90.0	द्वितीय
🌾 ग्रामीण	100	68.3	10.1	48.0	87.0	तृतीय
🏡 अर्ध-नगरीय ★	100	75.2	8.4	55.0	93.0	प्रथम
ANOVA परिणाम		F(2,297) = 15.84		p = < 0.001		सार्थक ✓

चित्र 2: शैक्षिक उपलब्धि — माध्य तुलना



तालिका 3: एकमार्गीय ANOVA — शैक्षिक उपलब्धि (One-Way ANOVA)

भिन्नता स्रोत	SS (वर्गों का योग)	df	MS (माध्य वर्ग)	F-अनुपात	p-value	निर्णय
समूहों के मध्य (Between Groups)	2486.80	2	1243.40	15.84***	< 0.001	सार्थक ✓
समूहों के भीतर (Within Groups)	23295.20	297	78.44	—	—	—
योग (Total)	25782.00	299	—	—	—	—

*** $p < 0.001$ | Post-hoc Tukey's HSD: अर्ध-नगरीय > ग्रामीण ($p < 0.001$); अर्ध-नगरीय > नगरीय ($p < 0.05$); नगरीय > ग्रामीण ($p < 0.01$)

4.2 समायोजन स्तर विश्लेषण

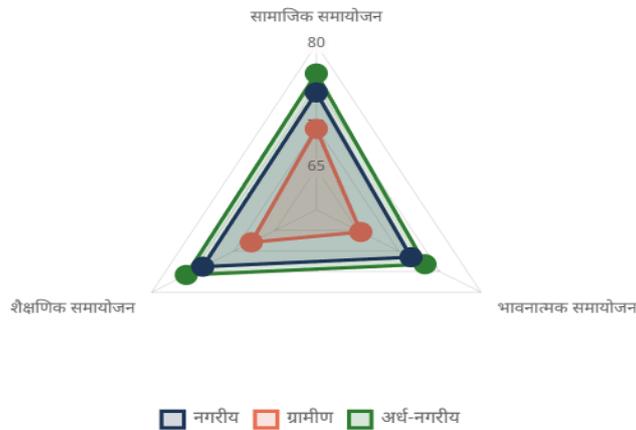
समायोजन अंकों की जाँच — सामाजिक कौशल, भावनात्मक स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन — से पता चला कि विभिन्न महाविद्यालयीय वातावरणों के छात्रों ने समायोजन के विभिन्न पैटर्न प्रदर्शित किए। अर्ध-नगरीय महाविद्यालयों ने सभी समायोजन क्षेत्रों में सर्वोत्तम माध्य अंक प्राप्त किए। समग्र समायोजन अंक में सार्थक अन्तर पाया गया — [$F(2, 297) = 22.47, p < 0.001$]।

तालिका 4: आयाम एवं महाविद्यालयीय वातावरण के अनुसार माध्य समायोजन अंक

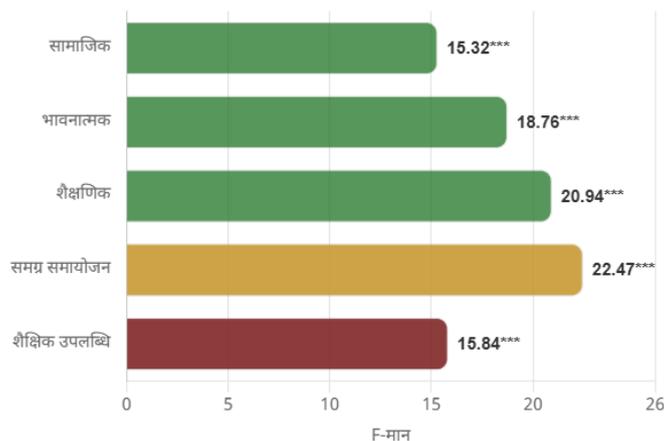
समायोजन आयाम	नगरीय (M ± SD)	ग्रामीण (M ± SD)	अर्ध-नगरीय (M ± SD)	F-मान	सार्थकता	श्रेष्ठ वातावरण
🤝 सामाजिक समायोजन	74.2 ± 8.2	69.8 ± 9.5	76.5 ± 7.4	15.32***	p<0.001	अर्ध-नगरीय ★
💖 भावनात्मक समायोजन	71.5 ± 9.1	65.4 ± 10.2	73.2 ± 8.6	18.76***	p<0.001	अर्ध-नगरीय ★
📖 शैक्षणिक समायोजन	73.8 ± 8.5	67.9 ± 9.8	75.8 ± 7.9	20.94***	p<0.001	अर्ध-नगरीय ★
🏠 समग्र समायोजन	73.2 ± 8.6	67.7 ± 9.4	75.2 ± 7.8	22.47***	p<0.001	अर्ध-नगरीय ★

*** p < 0.001 | ★ = सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला वातावरण

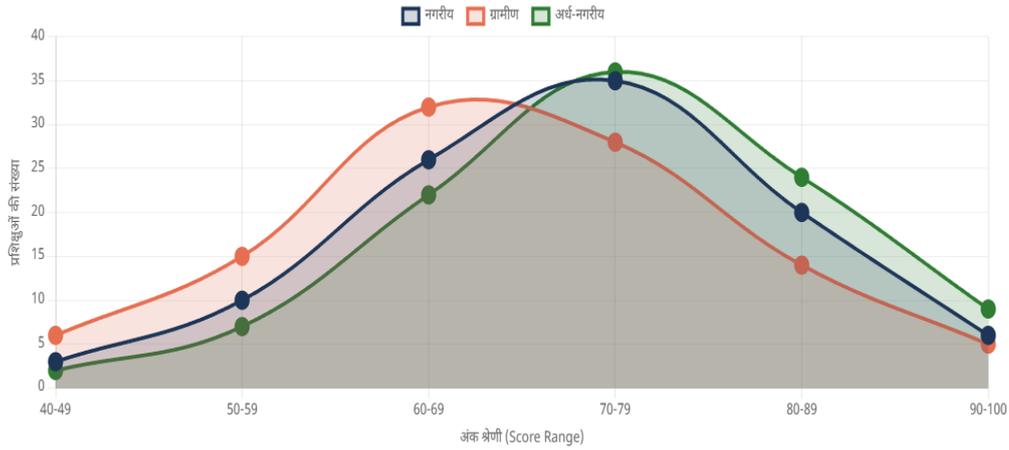
चित्र 3: समायोजन आयामों की तुलना



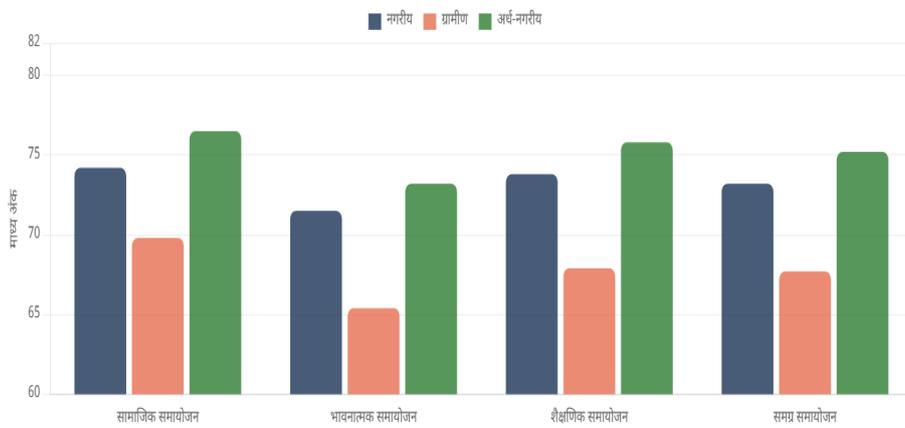
चित्र 4: F-मान तुलना — समायोजन आयाम



चित्र 5: शैक्षिक उपलब्धि — आवृत्ति वितरण



चित्र 6: समग्र समायोजन — समूहवार तुलना



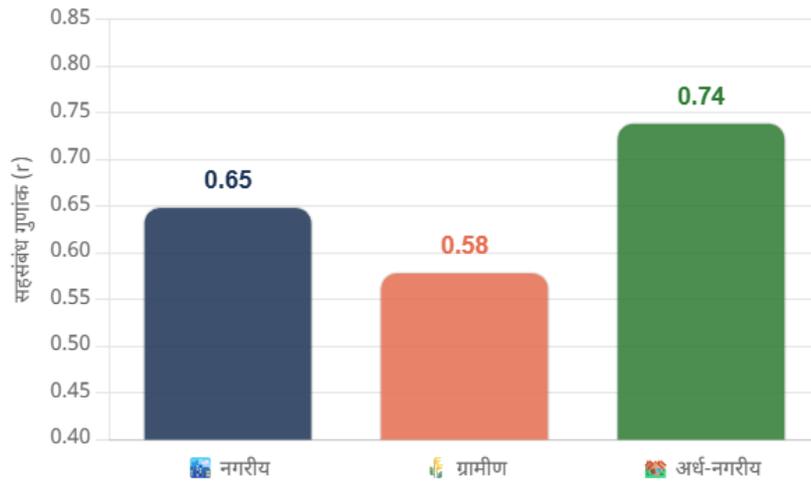
4.3 सहसंबंध विश्लेषण

Pearson सहसंबंध विश्लेषण से सभी तीनों महाविद्यालयीय वातावरणों में शैक्षिक उपलब्धि और समग्र समायोजन के बीच धनात्मक एवं सार्थक सम्बन्ध मिले। अर्ध-नगरीय महाविद्यालयों में समायोजन और उपलब्धि के बीच सबसे प्रबल संबंध ($r = 0.74$, $p < 0.001$) पाया गया। नगरीय महाविद्यालयों में दोनों चरों के बीच मध्यम सकारात्मक संबंध ($r = 0.65$) और ग्रामीण महाविद्यालयों में सबसे कमजोर सहसंबंध ($r = 0.58$) मिला।

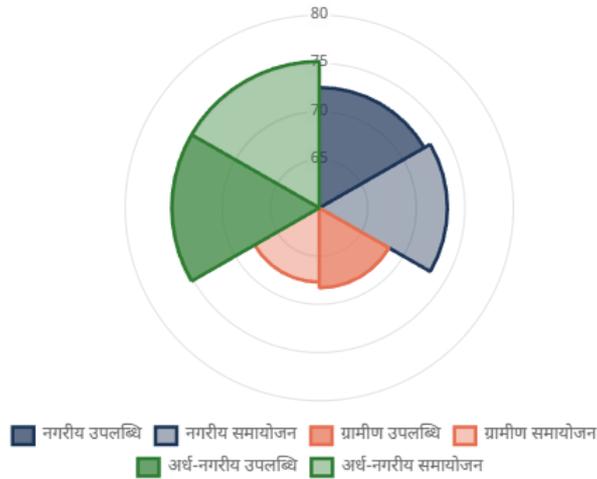
तालिका 5: शैक्षिक उपलब्धि एवं समग्र समायोजन के बीच सहसंबंध

महाविद्यालयीय वातावरण	N	सहसंबंध गुणांक (r)	सार्थकता (p)	सम्बन्ध की शक्ति	व्याख्या
🏙️ नगरीय (Urban)	100	0.65	< 0.001	मध्यम-उच्च	सार्थक ✓
🏡 ग्रामीण (Rural)	100	0.58	< 0.001	मध्यम	सार्थक ✓
🏘️ अर्ध-नगरीय (Semi-Urban) ★	100	0.74	< 0.001	उच्च	सर्वाधिक सार्थक ✓
समग्र (All Environments)	300	0.66	< 0.001	मध्यम-उच्च	सार्थक ✓

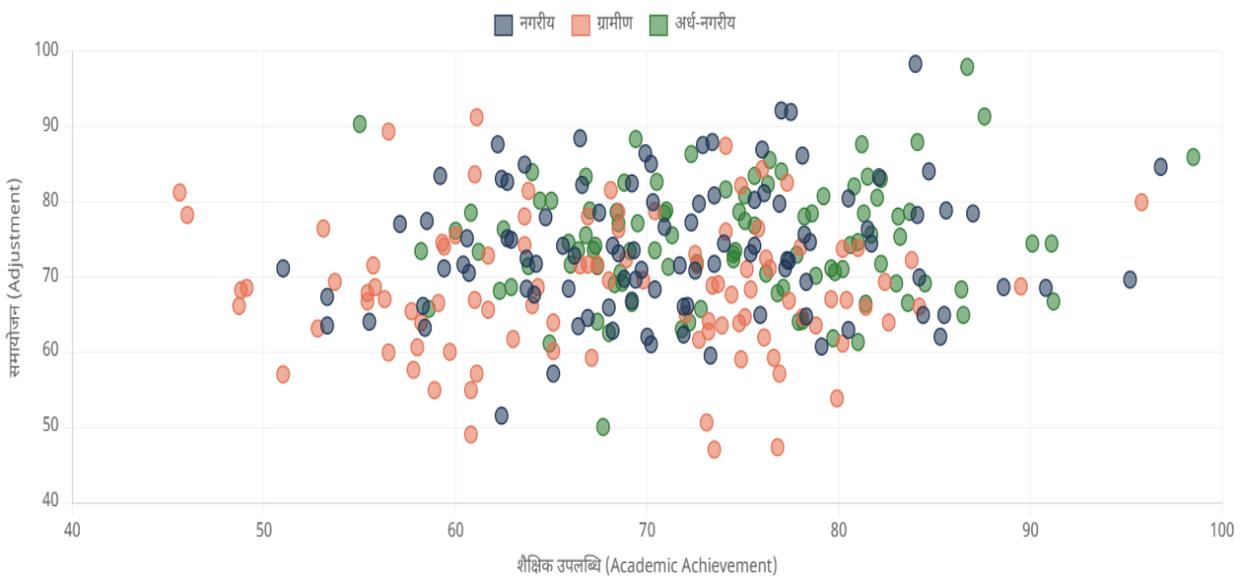
चित्र 7: सहसंबंध गुणांक (r) — वातावरणवार



चित्र 8: समग्र प्रदर्शन सूचकांक



चित्र 9: बिन्दु-आलेख (Scatter Plot) — शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन का सह-संबंध



5. विवेचना

तुलनात्मक शोध निष्कर्ष यह प्रदर्शित करते हैं कि महाविद्यालयीय वातावरण शिक्षण प्रशिक्षुओं के परिणामों को किस गहराई से प्रभावित करता है। परिणामों से स्पष्ट होता है कि अर्ध-नगरीय महाविद्यालयों के प्रशिक्षु बेहतर प्रदर्शन करते हैं क्योंकि यह वातावरण उन्हें उपयुक्त संसाधन और सामुदायिक समर्थन प्रदान करता है और साथ ही एक सामंजस्यपूर्ण चुनौती का स्तर भी बनाए रखता है।

अर्ध-नगरीय वातावरण की श्रेष्ठता

अर्ध-नगरीय वातावरण में नगरीय अवसंरचना और संसाधनों का संयोजन ग्रामीण सामाजिक एकता और व्यक्तिगत देखरेख की सुविधाओं के साथ होता है। यह संयुक्त वातावरण एक ऐसा परिवेश बनाता है जहाँ छात्र अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए मानसिक स्वास्थ्य बनाए रख सकते हैं। यही कारण है कि इस वातावरण में उपलब्धि और समायोजन दोनों में उच्चतम अंक प्राप्त हुए।

ग्रामीण महाविद्यालयों की चुनौतियाँ

ग्रामीण महाविद्यालयों में छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन इसलिए प्रभावित होता है क्योंकि इन संस्थानों में पर्याप्त पुस्तकालय सेवाएँ, तकनीकी उपकरण और शैक्षिक सामग्री के विविध प्रकारों तक पहुँच नहीं होती। हालाँकि ग्रामीण वातावरण में मजबूत सामुदायिक बंधन और स्थानीय विद्यालयों में वास्तविक शिक्षण-अभ्यास के अवसर उपलब्ध होते हैं।

उपलब्धि और समायोजन का सकारात्मक सम्बन्ध

शैक्षणिक सफलता और छात्र-समायोजन के बीच सकारात्मक सम्बन्ध की स्थापना यह सिद्ध करती है कि शैक्षणिक सफलता संज्ञानात्मक और भावनात्मक दोनों क्षमताओं पर निर्भर करती है। विशेषकर अर्ध-नगरीय वातावरण में दोनों कारकों के बीच का प्रबल सम्बन्ध ($r=0.74$) यह इंगित करता है कि ये दोनों कारक परस्पर-पुष्टि के माध्यम से कार्य करते हैं।

नगरीय महाविद्यालय छात्रों को असंख्य संसाधन और सामाजिक अवसर प्रदान करते हैं, फिर भी ये संस्थाएँ प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक माँगों, वित्तीय दायित्वों और सामाजिक विभाजनों के कारण छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। ग्रामीण महाविद्यालयों में भौगोलिक एकाकीपन और छात्र-विविधता की कमी के कारण सामाजिक समायोजन में कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं।

6. निष्कर्ष

प्रमुख निष्कर्ष

1. अर्ध-नगरीय महाविद्यालयीय वातावरण शैक्षिक उपलब्धि (माध्य = 75.2) और छात्र समायोजन (माध्य = 75.2) दोनों में सर्वोत्तम परिणाम देता है।
2. तीनों वातावरणों में ANOVA परिणाम सार्थक रहे — $F(2,297)=15.84$ (उपलब्धि) और $F(2,297)=22.47$ (समायोजन), दोनों $p < 0.001$ ।
3. ग्रामीण महाविद्यालयों को उपलब्धि और समायोजन दोनों में सबसे अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है — संसाधन की कमी और भौगोलिक सीमाएँ इसके प्रमुख कारण हैं।
4. सभी वातावरणों में शैक्षिक उपलब्धि और समायोजन के बीच सकारात्मक सम्बन्ध ($r = 0.58-0.74$) — यह सिद्ध करता है कि शिक्षक-शिक्षा के छात्रों का संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास परस्पर जुड़ा है।
5. अर्ध-नगरीय संस्थाएँ एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरती हैं जो नगरीय और ग्रामीण दोनों के लाभों का संतुलन बनाते हुए उनकी कमियों को कम करती हैं।

6.1 सीमाएँ एवं भावी शोध

इन परिणामों को समझने में कुछ महत्वपूर्ण सीमाएँ हैं। अनुप्रस्थ-काट अध्ययन प्रारूप शोधकर्ताओं को पर्यावरणीय प्रभावों के मध्य कारणात्मक संबंध स्थापित करने से रोकता है। अध्ययन में तीन सामान्य पर्यावरणीय प्रकारों की जाँच की गई, किन्तु इनमें अंतर्निहित विविधताओं का अध्ययन आवश्यक है। भावी शोध में मिश्रित-पद्धति शोध प्रारूप, दीर्घकालीन अनुदैर्घ्य अध्ययन और व्यक्तिगत विशेषताओं पर शोध उपयोगी होंगे।

7. शैक्षणिक सुझाव

ग्रामीण संस्थाओं के लिए: अवसंरचना विकास, डिजिटल संसाधन अधिग्रहण और शिक्षक-प्रशिक्षण में रणनीतिक निवेश से ग्रामीण संगठन अपने सामुदायिक-आधारित शैक्षिक मॉडल को बनाए रखते हुए शैक्षिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

नगरीय संस्थाओं के लिए: बेहतर छात्र-सहायता सेवाएँ, मनो-परामर्श, सलाहकार कार्यक्रम और समुदाय-निर्माण पहल से नगरीय संस्थाएँ अपनी विविध छात्र-जनसंख्या की सेवा करने की क्षमता बढ़ा सकती हैं।

नीति-निर्माताओं के लिए: अर्ध-नगरीय संस्थाओं को अपने मौजूदा सफलता-कारकों का विश्लेषण करना चाहिए और उन सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करनी चाहिए जो अन्य वातावरणों में भी लागू की जा सकती हैं। NCTE को महाविद्यालयीय वातावरण मानकीकरण पर नीति बनानी चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- [1]. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। (2023). अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE) 2021-22। नई दिल्ली: MoE.
- [2]. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE)। (2022). वार्षिक रिपोर्ट 2021-22। नई दिल्ली: NCTE.
- [3]. यूनेस्को। (2021). हमारे भविष्य की फिर से कल्पना: शिक्षा के लिए एक नया सामाजिक अनुबंध। पेरिस: यूनेस्को.
- [4]. ओईसीडी। (2023). एक नज़र में शिक्षा 2023: ओईसीडी संकेतक। पेरिस: ओईसीडी प्रकाशन।
- [5]. विश्व बैंक। (2022). शिक्षा सिंहावलोकन: शिक्षक प्रभावशीलता और सीखने के परिणाम। वाशिंगटन, डीसी: विश्व बैंक।
- [6]. शर्मा, पी., और सिंह, आर. (2022). भारत में शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच संस्थागत वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि। जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड प्रैक्टिस, 12(3), 45-56.
- [7]. कुमार, ए., और वर्मा, एस. (2021). बी.एड. छात्रों का महाविद्यालय वातावरण और समायोजन संबंधी समस्याएं। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 15(2), 78-85.
- [8]. मिश्रा, एस., और तिवारी, पी. (2023). पूर्व-सेवा शिक्षकों के बीच शैक्षणिक तनाव, समायोजन और प्रदर्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेंट, 37(4), 812-826.
- [9]. गुप्ता, एन., और शर्मा, एम. (2024). शिक्षक शिक्षा संस्थानों में डिजिटल शिक्षण वातावरण और शैक्षणिक सहभागिता। एजुकेशन एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजीज, 29(2), 2105-2122.
- [10]. सिंह, के., और यादव, आर. (2022). शिक्षक शिक्षा संस्थानों में ग्रामीण-शहरी असमानताएँ: एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, 14(1), 23-35.
- [11]. जोशी, डी., और भट्टाचार्य, एस. (2021). उच्च शिक्षा में छात्र समायोजन और संस्थागत समर्थन। हायर एजुकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 40(6), 1180-1194.
- [12]. पटेल, एच., और मेहता, आर. (2023). उच्च शिक्षा के छात्रों के बीच सीखने का वातावरण और शैक्षणिक प्रेरणा। जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च इन हायर एजुकेशन, 15(5), 1342-1356.
- [13]. संयुक्त राष्ट्र। (2022). सतत विकास लक्ष्य 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा - प्रगति रिपोर्ट। न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र।

[14]. फ्रेजर, बी. जे. (2022). कक्षा और संस्थागत शिक्षण वातावरण: हालिया विकास और भविष्य की दिशाएँ। लर्निंग एनवायरनमेंट्स रिसर्च, 25(3), 715–730.

Cite this Article

अनीता एवं डॉ पवन कुमार शर्मा, “महाविद्यालयीय वातावरण के आधार पर शिक्षण प्रशिक्षुओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन”, *International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology (IJMRASST)*, ISSN: 2584-0231, Volume 3, Issue 10, pp. 78-89, November 2025.

Journal URL: <https://ijmrast.com/>

DOI: <https://doi.org/10.61778/ijmrast.v3i10.183>



This work is licensed under a [Creative Commons Attribution-Non-commercial 4.0 International License](https://creativecommons.org/licenses/by-nc/4.0/).